

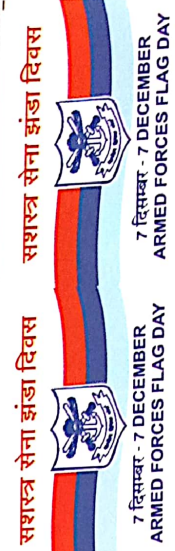
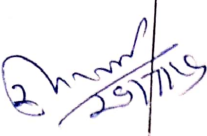
FORM No. III

फर्द अहकाम

(नियम 26)

महानगरपालिका प्रमुख कार्यालय, काठमाडौं

नाम विमला देवी को. वनाम हरि शंकर श्रीवास्तव को.
 मुकदमा नं. ५३३ सन् २०१९

ख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय लघुहस्ताक्षर जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तालीम में जारी हुए
13 ⁰⁵ / ₁₉	<p>वकील वादीगण श्री सुभाष शर्मा ने हाजिर अदालत होकर वादपत्र पेश किया। दावा दर्ज रजिस्टर किया जावे। उतिवादीगण की तलबी जारिमें सम्मत हो जाकर पत्रावली दिनांक 29/05/19 को पेश हो।</p> <p>28⁵/₁₉ पत्रावली पेश हुई। वकूलाय फरिक्न उप./अनुपरिचित। पीडीसीन अधिकारी कोरे /अन्य कार्य में व्यस्त पत्रावली अगिन कार्यवाही हेतु दिनांक 17.6.18 को पेश हो।</p>	 <p>सशस्त्र सेना झंडा दिवस 7 DECEMBER ARMED FORCES FLAG DAY</p>
17/6/19	<p>पत्रावली पेश हुई। वकूलाय फरिक्न उप./अनुपरिचित। पीडीसीन अधिकारी कोरे /अन्य कार्य में व्यस्त पत्रावली पूर्व आदेशानुसार दिनांक 29/7/18 को पेश हो।</p> <p>29/07/19.</p> <p>पत्रावली पेश हुई। वकील वादीगण ने जारिमें वकील उर्षला पत्र कावत दावा विशा पेश कर जारिमें किया कि वादपत्र में जारिमें लूटि की नक्शा में दल जम में तालीम कर रहे हैं, की वर सड.क.क.पा नजर आती हैं जबकि उक्त सड.क. नो. पर जिल उनुसार व्यापित है नक्शा में आज तक तलबी नही की</p>	<p>1223-34 17-5-18</p> 

यह है कि उक्त स.क. नं. 1857 की प्रवि
 में से पश्चिमी सीमा के सहित - 2 अरी-द्विणी
 स्थित है तथा स.क. माउरी के पश्चात् स.क.
 को पश्चिम में वादीगण का विषय जाते हैं। इसलिए
 उक्त वादपत्र न. 1. पेश करते समय उक्त
 तथ्य की जानकारी नहीं थी तथा ना ही यह
 जानकारी थी की स.क. को तमीन नहीं किया
 गया है। उक्त स.क. ही में U.R. द्वारा गौना देखा
 पर उक्त सत्यता की जानकारी हुई है इसलिए
 विभागत स्थल के वाद के तथ्य कुछ भिन्न है
 इसलिए उक्त वादपत्र स्वीकार कर नया
 वादपत्र पेश करने की अनुमति देते हुए नया
 विद्वा की अनुमति उदान करें।
 पत्रावली, पत्रावली पर उपर्युक्त (जिस
 कोड का अकलौनात किया गया जिससे वादीगण
 को वादपत्र अखत विद्वा वादपत्र स्वीकार किया
 जहाँ मध्य पाया जाने पर न्यायधित में स्वीकार
 किया जाना तथा वादपत्र पेश करने की
 अनुमति उदान करते हुए दवा विद्वा की
 अनुमति उदान की जाती हैं। कार्यवाही उल्लो
 घसी स.क. पर उक्त विद्वा जाल है। पत्रावली
 फौसल श्रमाल होना नम्बर से कम है तथा
 वाद तकमील दखिल दस्ता है। निर्णय उक्त
 न्यायधित में सुनाया गया।



29/11/19
 सुप्रीम या कार्यवाही
 लखनऊ (विद्वा)